(ख) मुख्यतः ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०, भारत कोकिंग कोल लि० और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० से श्रम क्षमता के उपयोग की सूचना मिली है। ई० को० लि० और भा० को० को० लि० में गिरावट का मुख्य कारण बहुत सी कम क्षमता वाली भूमिगत खानों का होना है, जहां उत्पादन में वृद्धि नहीं होती है। उत्पादकता में सुधार लाए जाने के विचार से इन खानों का पुनर्गठन किया जा रहा है। सि० को० कं० लि० में क्षमता उपयोग में कमी होने का मुख्य कारण कोयला क्षेत्रों के आसपास और अन्दर कानून और व्यवस्था की चल रही परिस्थिति के कारण कार्य का ठप्प होना और हड़तालों का होना है। इस मामले की आंध्र प्रदेश सरकार के साथ नियमित रूप में कार्यवाही की जा रही है।

देश के उत्तरी क्षेत्र को कोयले की अपर्याप्त आपूर्ति

3843. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 12 मार्च, 1992 के "दि फाइनेन्सियल एक्सप्रेस" में "नार्दन रोजन हिट बाई इनएडिकवेट कोल, आयरन सप्लाई" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि उत्तरी भारत में स्थित उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में कोयले की आपूर्ति नहीं की जा रही थी जिसके कारण औद्योगिक उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है ;

(ग) यदि हां, तो क्या भविष्य में कोयले की पर्याप्त सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए सरकार कोई उपयुक्त कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस० बी० नवलेगौड़ा : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) अनंतिम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया लि० तथा सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० में अप्रैल से जनवरी, 1992 की अवधि के दौरान गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 51.84 मि० टन कोयला प्रेषित किया गया जबकि इसकी तुलना में पिछले वर्ष 45.72 मि० टन कोयले का प्रेषण किया गया था। किंतु औद्योगिक उपभोक्ताओं की, जिसमें उत्तर क्षेत्र के कुछ उपभोक्ता भी शामिल हैं, महत्वपूर्ण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को, मुख्यतः विद्युत उपयोगिताओं को रेल अथवा सड़क द्वारा कोयले के संचालन में प्राथमिकता दिए जाने के कारण कोयले की कम आपूर्ति का सामना करना पड़ा। कोयला कंपनियों को, सभी उपभोक्ताओं की कोयले की आपूर्ति में वृद्धि किए जाने के निर्देश दिए गए हैं और जहां तक गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र के उपभोक्ताओं का संबंध है, कोयला कंपनियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे सड़क अथवा रेल द्वारा उन्हें संयोजित कोयले की मात्रा में से न्यूनतम 50% मात्रा की आपूर्ति करें।

एस० ई० सी० एल० द्वारा कोयले के उत्पादन तथा वितरण के लक्ष्य

3844. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कितने एकक कोयला उत्पादन में लगे थे तथा क्या इन एककों के लिए कोयला उत्पादन तथा वितरण के भी कोई लक्ष्य निर्धारित किए गए थे ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;